राजस्थान पुलिस अकादमी में 188 कांस्टेबलों की पासिंग आउट परेड पुलिस बल में महिलाओं की बढ़ती संख्या से आया सुखद बदलाव - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्रीमती वसुन्धरा राजे ने प्रदेश में कानून-व्यवस्था बनाए रखने में महिला पुलिसकर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि महिला पुलिसकर्मियों की बढ़ती संख्या के कारण राज्य पुलिस पहले की अपेक्षा अधिक मानवीय, संवेदनशील और जवाबदेह हुई है। उन्होंने कहा कि पुलिस बल में महिलाओं की अच्छी उपस्थिति से आया यह बदलाव सुखद है और अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति, कौशल तथा जज्बे से महिला पुलिसकर्मियों ने यह साबित भी किया है कि वे अपने पुरूष सहकर्मियों से किसी मायने में कमजोर नहीं हैं।

श्रीमती राजे मंगलवार 13 जून 2017 को राजस्थान पुलिस अकादमी परिसर में 66वें बैच की 188 नव प्रशिक्षु महिला कांस्टेबल्स के दीक्षान्त परेड समारोह को संबोधित कर रही थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा के सामने चुनौतियां बढ़ रही हैं और हमारी प्रशिक्षित, कुशल तथा चुस्त पुलिस इन चुनौतियां का बखूबी सामना करने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पुलिसकर्मियों को अधुनिकतम प्रशिक्षण देने तथा उपकरणों एव तकनीक से सुसज्जित करने के सभी उपाय कर रही है। इसके लिए साइबर एवं आर्थिक अपराधों की तफ्तीश, पुलिसकर्मियों के व्यवहार में सुधार आदि के नए कोर्सेज प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में शामिल करवाए जा रहे हैं। साथ ही पुलिस अकादमी में यूनिसेफ के सहयोग से चाइल्ड प्रोटेक्शन, सामाजिक सुरक्षा तथा जेंडर बजटिंग पर भी प्रशिक्षण दिलाया जा रहा है।

श्रीमती राजे ने पुलिस बल में शामिल होने जा रही इन सभी नव प्रशिक्षु महिला कांस्टेबलों को शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि वे अपनी कार्यप्रणाली में निष्पक्षता तथा पारदर्शिता से राज्य पुलिस के गौरवशाली अतीत को बनाए रखेंगी। उन्होंने प्रशिक्षु कांस्टेबल संवा कंवर को बैच की बेस्ट ऑल राउंडर तथा बेस्ट इण्डोर प्रोबेषनर के रूप में सम्मानित किया। साथ ही सर्वश्रेष्ठ फायरिंग के लिए प्रशिक्षु कांस्टेबल सुश्री मुकेश को तथा बेस्ट आउटडोर प्रशिक्षु के रूप में श्रीमती रीनू जाट को सम्मानित किया। श्रीमती राजे ने इन महिला पुलिसकर्मियों की आकर्षक परेड का निरीक्षण किया और उनके द्वारा दिखाए गए विभिन्न कौशल प्रदर्शनों की सराहना की।

इससे पहले गृह मंत्री श्री गुलाबचंद कटारिया ने कहा कि अपने विभिन्न नवाचारों तथा प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में सुधार के कारण राज्य पुलिस अकादमी उŸार भारत की सर्वश्रेष्ठ पुलिस अकादमी बन गई है। इन अकादमी में एक साल में करीब 50 हजार पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों को आधुनिकतम प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

पुलिस महानिदेशक श्री मनोज भट्ट ने पधारे हुए सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए माननीय मुख्यमंत्री महोदया का नारी शक्ति को समर्पित महिला प्रशिक्षणार्थियों की दीक्षान्त परेड में पधारकर इस शक्ति में अभिवृद्धि करने के लिए आभार व्यक्त किया। श्री भट्ट ने कहा कि इन सभी प्रशिक्षु महिला पुलिसकर्मियों को आत्मरक्षा तथा मॉडर्न पुलिसिंग का आधुनिक प्रशिक्षण दिया गया है, ताकि आवश्यकता पड़ने पर ये सभी प्रदेष के स्कूलों एवं कॉलेजों में बालिकाओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दे सकें। इसके साथ ही उन्होंने राजस्थान पुलिस अकादमी द्वारा किये जा रहे नवाचारों एवं उपलब्धियों की प्रशंसा करते हुए सभी प्रशिक्षकों को उनके द्वारा किये जा रहे प्रयासों के लिए बधाई दी।

राजस्थान पुलिस अकादमी के निदेशक श्री राजीव दासोत ने ।सस ॅवउमद परेड में पधारे सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति कोई प्रमाणित करने का विषय नहीं है। नारी स्वयं शक्ति स्वरूपा है। किन्तु हमारा प्रयास रहा है कि यह दीक्षान्त परेड हर पल, हर कदम, हर स्थान पर नारी शक्ति को, नारी स्वाभिमान को, नारी दृढ़ता को प्रमाणित करे। उन्होंने नारी शक्ति स्वरूपा माननीय मुख्य मंत्री महोदया के-उनके बहुमूल्य समय, अनमोल आषीर्वाद और असीम स्नेह के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया।

श्री दासोत ने महिला प्रषिक्षार्थियों का आह्वान किया कि वे सुरक्षा, विष्वास व कर्तव्यनिष्ठा का पर्याय बने। उन्होंने सभी अतिथियों, मीडियाकर्मियों, प्रशिक्षार्थियों के परिजनों तथा राजस्थान पुलिस अकादमी के सभी प्रशिक्षकों का दीक्षान्त परेड समारोह को यादगार बनाने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर महापौर श्री अशोक लाहोटी, जिला प्रमुख श्री मूल चन्द मीणा, टोंक विधायक श्री अजीत मेहता सहित बड़ी संख्या में पुलिस एंव प्रशासनिक अधिकारी, नव प्रशिक्षुओं के परिजन तथा अन्य लोग उपस्थित थे।